

जो कुछ विशिष्ट बातों में एक केंद्रीय सत्ता का अनुशासन मानता हो जैसे- राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ एक संगठन।

संघचारी वि. (तत्.) 1. झुंड बनाकर रहने वाला 2. वह व्यक्ति जो बहुमत के अनुसार कोई काम करता हो पु. मत्स्य, मछली।

संघट पुं. (तत्.) 1. समूह, ढेर 2. संघर्ष, मुठभेड़ 3. संघटन 4. संयोग।

संघटन पुं. (तत्.) 1. व्यक्तियों का मिलना 2. बिखरी हुई शक्तियों को परस्पर मिलाकर किसी उद्देश्य के लिए तैयार करना 3. उक्त उद्देश्य से बनायी गई संस्था या परिषद्।

संघटित वि. (तत्.) 1. जिसका संघटन हुआ हो 2. जो एकता में बंधकर सामूहिक रूप से अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए प्रयत्नशील हो।

संघट्ट पुं. (तत्.) 1. रगड़ 2. टक्कर 3. संघर्ष, मुठभेड़ 4. योग, मेल 5. गुथमगुत्था 6. बनावट 7. गठन।

संघ न्यायालय पुं. (तत्.) संघराज्य का सर्वोच्च न्यायालय। federal

संघपति पुं. (तत्.) 1. किसी संघ का प्रधान या सर्वोच्च अधिकारी 2. दल का नायक।

संघर्ष पुं. (तत्.) 1. दो वस्तुओं का आपस में घर्षण, रगड़ 2. स्पर्धा, होड़ 3. आपस में टकराव, टक्कर, भिड़न्त 4. कठिनाइयों को समाप्त करने के लिए की जाने वाली भरसक चेष्टा 5. विरोधी शक्तियों को हराने के लिए प्राणपन से किया गया प्रयत्न 6. आधुनिक पाश्चात्य साहित्यकारों के मत से नाटक में वह स्थिति जिसमें दो परस्पर विरोधी शक्तियाँ एक दूसरे को दबाने का प्रयत्न करती हैं 7. बाजी या शर्त लगाना 8. द्वेष, वैर।

संघर्षण पुं. (तत्.) 1. संघर्ष करने की क्रिया या भाव 2. पानी में बहते हुए कंकड़ों की चट्टानों आदि से होने वाली रगड़।

संघर्षी वि. (तत्.) 1. संघर्ष करने वाला 2. घिसने या रगड़ने वाला 3. वे व्यंजन जिनके उच्चारण

में दो अंग परस्पर इतने निकट आ जाए कि बीच से निकलने वाली हवा घर्षण करती हुई निकले।

संघाटिका स्त्री. (तत्.) 1. देती, कुटनी 2. जोड़ा, दम्पति 3. गंध 4. प्राचीन भारत में स्त्रियों का एक प्रकार का पहनावा 5. कुंभी।

संघाटी स्त्री. (तत्.) बौद्ध भिक्षुओं के पहनने का वस्त्र विशेष, चीवर।

संघाणक पुं. (तत्.) 1. श्लेष्मा 2. कफ।

संघात पुं. (तत्.) 1. जन-समूह, जन-समुदाय 2. जमाव 3. ऐक्य 4. संयोग 5. आघात, टक्कर 6. वध, हत्या 7. देह, शरीर 8. एक नरक का नाम।

संघातक वि. (तत्.) 1. घात करने वाला 2. हत्या करने वाला 3. प्राण लेने वाला 4. नष्ट या बर्बाद करने वाला।

संघाती पुं. (तत्.) दे. संघातक।

संघाराम पुं. (तत्.) बौद्ध भिक्षुओं के रहने का मठ, बौद्धमठ।

संघी वि. (तत्.) 1. किसी संघ से संबद्ध 2. समूहों में रहने वाला।

संघीय वि. (तत्.) 1. संघ संबंधी 2. जिसका संघटन संघ के रूप में हुआ हो।

संघृष्ट वि. (तत्.) 1. जो घिस गया हो 2. रगड़ खाया हुआ।

संघेला पुं. (तत्.) 1. साथी, सहचर, संगी 2. दोस्त, मित्र, सखा।

संघोष पुं. (तत्.) जोर का शब्द।

संच पुं. (तत्.) 1. ऐसे पत्तों का ढेर जिन पर लिखा जाता था 2. एक जैसी वस्तुओं का समुच्चय 3. एक लेखक की एक प्रकार की सब रचनाओं का संग्रह।

संचक पुं. (तत्.) साँचा।

संचकर वि. (तत्.) 1. संचय करने वाला 2. देखभाल करने वाला 3. कंजूस।